उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हल्द्वानी (नैनीताल)

एम ए द्वितीय वर्ष - सत्रीय कार्य

कोर्स शीर्षक : उत्तराखंड का लोक साहित्य	वर्ष - 2016-17
कोर्स कोड: एम ए एच एल - 205	**अधिकतम अंक -** 40
पाठ्यक्रम कोड MA 12	जमा करने की अन्तिम तिथि: 30, अप्रैल'17

भाग क

भाग 'क' में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं , इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं , तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

1. प्राचीन भारतीय साहित्य में लोक शब्द की स्थिति को सपष्ट कीजिए।
2. लोकसाहित्य के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
3. लोकसाहित्य महत्त्व पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।
4. लोकोक्तियों का वर्गीकरण कीजिए।
5. गढ़वाली लोक साहित्य का संक्षिप्त वर्गीकरण कीजिए
6. गढ़वाली लोकगीतों की विशेषता बताइए।
7. कुमाउँनी लोकगाथा 'जागर' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
8. कुमाउँनी लोककथाओं की विशेषताएं समझाइए।

भाग ख

भाग 'ख' में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं , इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक प्रश्न के लिए *दस* अंक निर्धारित है।

1. गढ़वाली लोक कथाओं का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके भेद तथा विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए
2. कुमाउँनी लोकगीतों के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
3. कुमाउँनी लोकगीतों पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।
4. गढ़वाली लोकगाथाओं के इतिहास को बताते हुए उसके भावपक्षीय वैशिष्ट्य का विवेचन कीजिए।